

भारतीय और व्यापिक INDIA NON JUDICIAL

आपसा

₹ 2000

दो हजार रुपये

TWENTY
THOUSAND RUPEES

Rs. 2000

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



3C0581

लिप्रत्य-पत्र

नेत्र पत्र कर समिति विषय

१.	गुरु जा बहादुर	:	कृष्ण
२.	पदाना	:	विनोद
३.	का	:	बाल्मी

प्रधान

मुख्य अधिकारी

प्रधान

मुख्य अधिकारी

1000
1000

1000

आरक्षीय अहल्याधिक INDIA NON JUDICIAL

₹.20000

चाला हजार रुपये

TWENTY
THOUSAND RUPEES

Rs.20000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

१.	समाजी कर विभाग (सभाओं की)	: गढ़ी लखनऊ, संसदी-१२०, ३१०
२.	मामन की झगड़ी	: लखनऊ
३.	विशेष उपरोक्त का विभाग	: ५२४१६ लखनऊ
४.	सम्पर्क वय प्रबन्ध	: अमी
५.	संस्कार का नृत्यानन्द	: नहीं
६.	शाही व्यापारिक	: नहीं
७.	प्रतिफल वी एनराइ	: ल० २३,३०,११६/-
८.	सामिक्षा	: ल० ७,४०,८००/-
९.	स्थान	: ल० १,५६,३५०/-

अधिकारी

77387

77387

6 -

भारतीय नौकरी प्रशिक | INDIA NON JUDICIAL

₹ 20000

TWENTY
THOUSAND RUPEES

वीस हजार रुपये

Rs.20000

INDIA 15

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1300583

प्रमुख

आदाय क्र. 226

आदाय क्र. 211

आदाय क्र. 132

आदाय क्र. 135

आदाय क्र. 127

आदाय क्र. 127

आदाय क्र. 210

आदाय क्र. 125

आदाय क्र. 126

आदाय क्र. 120

पुरुष

महिला

लोग

महिला

2000

1000

1

100

1000

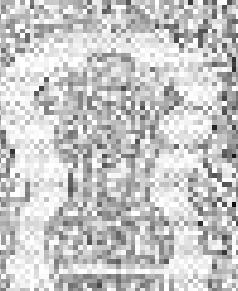
भारतीय न्यूर इंडिया के INDIAN NON JUDICIAL

₹ 20000

चाला हजार रुपये

TWENTY
THOUSAND RUPEES

Rs. 20000



INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1300584

P

क्रमांक 10 107

नमस्ता राज्या- 162 ग 104

जयपुरा राज्या 142 + 149

क्रमांक अवधा राज्या- 162 168 174

प्राप्ति : उत्तर प्रदेश- 170

प्राप्ति पहा गो लाला- 01 द्वितीय पहा गो लाला- 01

प्राप्ति का विवरण	संगति का विवरण
इन्होंने उत्तर प्रदेश राज्या नियमिती-करान्दुट औवली बदाया विनाई, लाला व विलास लाला का	अन्तर्राष्ट्रीय हथ बालाकलार नियमित द्वारा दी सुलोला बुधर राज्या गुरु जिन गोवाल उत्तर प्रदेश वातपाल फान्डुली लल, गाँगनगरीवाल विलेका, 12 रामा फाम गो लाला का।

प्राप्ति विवरण विवरण विवरण

प्राप्ति विवरण

प्राप्ति विवरण





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1300385

१५८

यह निष्ठाय वेलंडा राई पलाई पुर दम बनहट, निवासी-हस्तामुर
स्कैली परामोना-निवनोर, तहसील मे जिता लखनक रोडे
आ॒ निवेशा गढ़ा गया है, एग्र॒ अदालत फार्मीज एण्ड
इंप्रेन्टरेवर ग्रामीश द्वारा श्री सुशील कुमार रामलोना पुर शिष्य
गोपाल समझेता गतपान घो-रुद्धि तथा, नव्वीप्राप्तिहारि
विद्या, १३-रामा प्रताप गार्ड लखनक जिन्हे आ॒ छोड़ बहा
रहा है तो वह निष्पाति विद्या राता ।

1937
1937

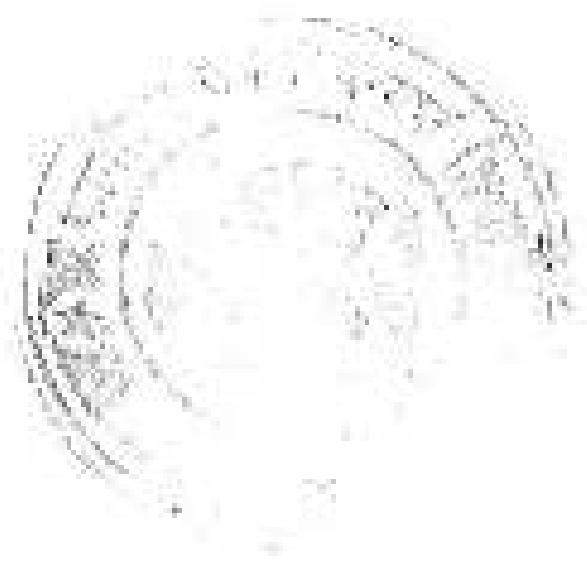
1937

1937

1937

1937

1937



हिन्दू नॉन जुडिशियल INDIA NON JUDICIAL

भारत

₹.20000

TWENTY
THOUSAND RUPEES

श्री सुहजान समये

Rs.20000

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

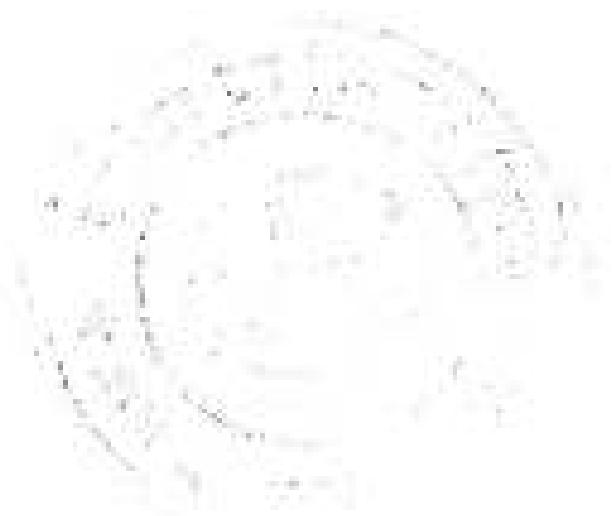
8 300386

यह दो वित्तीय रकमार्क काता जाती है एवं संख्या-00231
प्राप्ति नं 1413 दो 14 जू. को कृषि भूमि लासठ संख्या-126 व्यवा
0.026 हेक्टेअर के 1/6 भाग जानि रकमा 0.0210 हेक्टेअर में लासठ
संख्या-127 व्यवा 0.295 हेक्टेअर के 1/6 भाग जानि रकमा 0.042
हेक्टेअर जातीनी रकमा-00251 ने लासठ संख्या-151 व्यवा 0.323
हेक्टेअर के 1/6 भाग जानि रकमा 0.1743 हिन्दू चुन तीन गिला
म गुरु राजा 0.2334 हिन्दू चुन गिला-पान- उदानपुर लंगली,
पटना जिला, झज्जीन व गिला ज़खमऊ का पालिल लालिल व
कामिज है, जो दो विक्रेता को बढ़ावन खात हुई है, तथा

१००% विक्री

प्राप्ति विक्री की जाती है।

प्राप्ति विक्री की जाती है।



भारतीय होर्डिंग बिल
INDIA NON-JUDICIAL

भारतीय

₹.20000

बीस हजार रुपये -

TWENTY
THOUSAND RUPEES

Rs.20000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



मार्च 1991 के दिन जारी किया गया इस बिल का संख्या - १०२३।

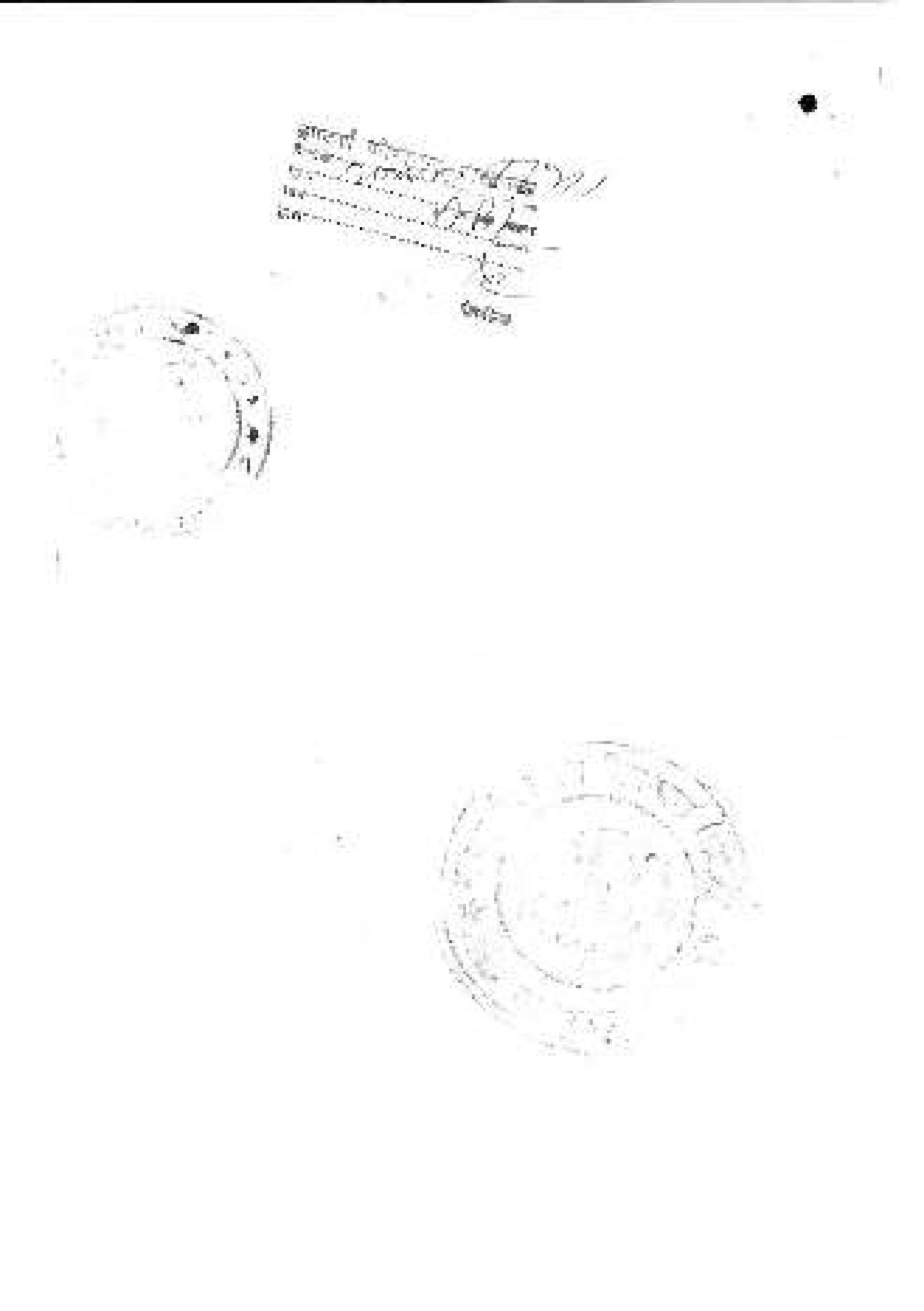
१०२३ के अनुलाभ दर्शन वृद्धि निकेता के नाम अनुल द्वारा दिया गया है।

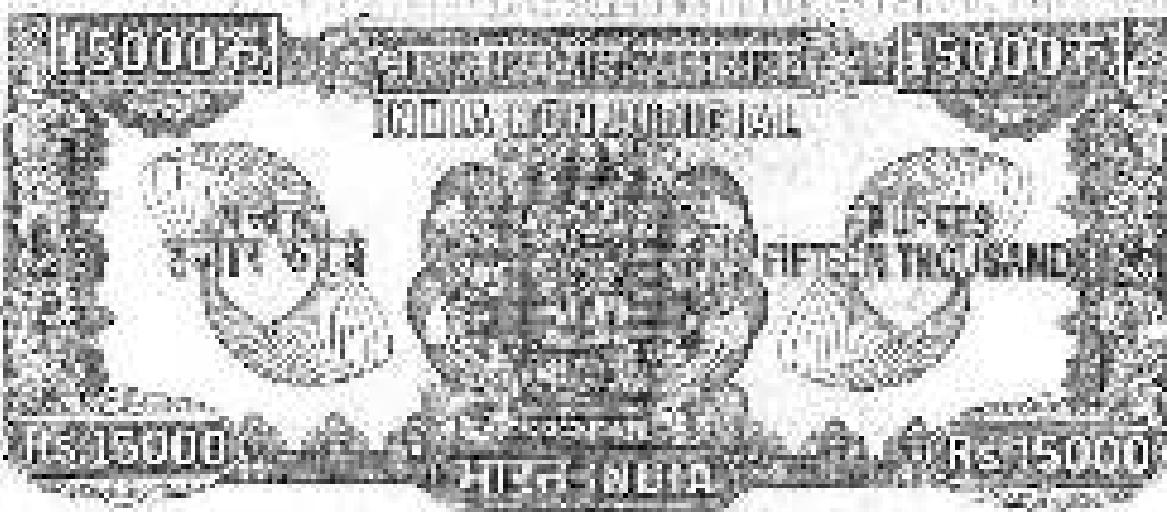
विदेश की गोपनीय ४-५ मिल रुपये के बहुत ही अधिक वृद्धि दर्शक नहीं है। यहाँ पर इसके का दार्हण भी नहीं है।

विदेश की गोपनीय वृद्धि के अधिकारी हेतु अधिसूचना अनुल द्वारा ४-५ गोपनीय शिवायुग अधिनियम १९९४ द्वारा

१०२३

अधिसूचना





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

060222

26/IV/2012 संसाधन ग्राहण में अवाक्षिप्त हो चुके हैं। विदेशी को अधिकारीय वाचवाही के लिए कोई आपत्ति नहीं है बिना इसे विदेशी या हालांकि भी अलग असरहट्टा है एवं अमिन्हग प्रशिक्षा गुर्ज़ होते हैं ताकि कामी संख्य लगाते रहे सम्मान है। अतः विदेशी ने जैरा या उचित तरीकों से अपार्ट रहते हुए अपि वह वित्ती बदना तक पह्चा है ऐसे पूरि अधिकारीत हो जाते वह बदा ने यात्रा को उठाकर इस अधिकारीय विविध तरीकों से उत्तराधिकार ले गया। विदेशी दाट नुस्खे अधिकारी

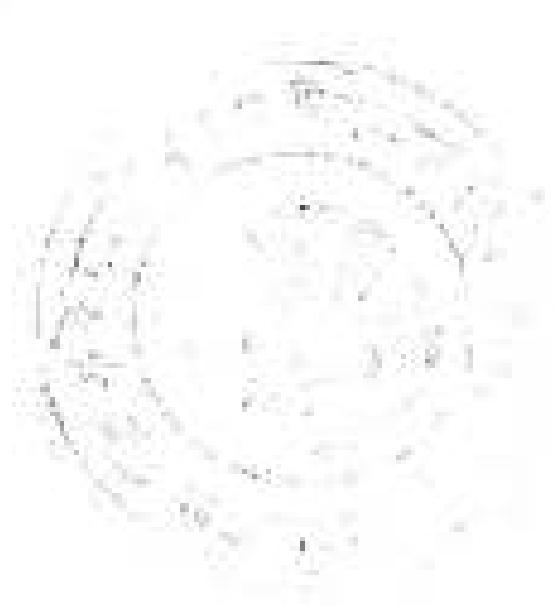
देखिये

प्रधानमंत्री राष्ट्रपति विदेशी अधिकारी

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री

1122
J. E. C. (V. 22)



भारतीय नौर न्यायिक INDIA NON-JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

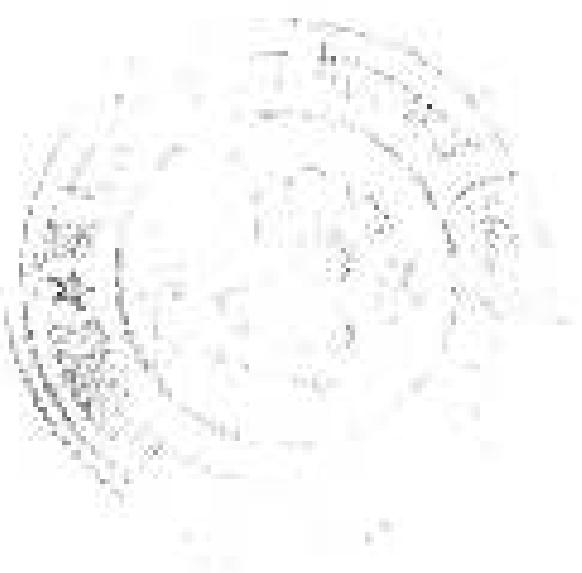
प्रमाणित
प्रमाणित

के अन्तर्गत द ऑटोमोटो टो वार्सा यात्रा होने वाले प्रसिद्ध सर
गिरी जलाह का बोहुत हुआ गहरी होगा।

वित्त भवानी आज वित्तना के बाब्त व दबला नालंदागढ़ में
मोजड़ है और उस कही विकाड़, लैंबा, जामनार, मुहर्छा, व चनाचुरा
आदि से दूर नहीं है, इसला आदानी में विद्युती अन्य व्यापिक चाल
बोहुत रुक्षित एवं अधिकार नहीं है और वह ही कोई व्यक्तिता
भवित्वादार है, इन विवरत द्वाद वित्तना के उसी आदानी द्वादा
उत्तरोक्त एवं गुरु त्वामें एवं अधिकारी लौहित विना ओड़े विद्युती

लौहित विना

प्रमाणित
प्रमाणित



भारत यांत्रिक

पचास
रुपये

₹.50

FIFTY
RUPEES

Rs.50

INDIA
INDIA NON-JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AA 621658

दोस्रा वा हक्क वा छह साँव वा रान्फलर मिन लिटरी रुपये अ.
मूल्यनुमित्त नं 0 22.28.2360 - दिल्ली बाइस लाई आजमाहा
हाल दो रुपयों (माल) में उपरोक्त तीव्रा को पर्याप्त बिल्ला,
बैंक चुप्रिय विभव कन्सलिय यन्त्र गार्डीन लक्ष्मीनगर द्वारा
उपलब्ध की गयी है। यह वेदम वे उपलब्ध चुप्रिय वालों द्वारा
न इसका गालियाना उत्तीर्ण न कर्युदा। एवं शाल की ताटीना से
तीव्रा उपरोक्त वा आप्पे चुप्रियी का दिल, दोन रुपयों व
नाइटर्न जिन्होंने एक बोक्स द्वारा निश्चित रूपानी न कर्युदा। न
विकल्प उपरोक्त वे लिंग दो अवधि तकी रुप, दोन लोड आवश्य
द्वारा को रुपये 50 रुपयों वाली रूपानी रुपये, और दोन रुपयों

Bank of India Ltd. - New Delhi - 11.

१८८८

१८८८

1970 (1) 27
1970 (2) 27



परम्परा के अनाना उसका लोहे अंश लेता को स्थापित। एवं अधिकारी ने निवास जाने या रखना न किया या करनी दिया, हिंसा, अग्रभास, बुरी व दमात्तम आदि से बहिरा याची जानी है तो ऐसा दृष्टि गैंडा को अधिकार होगा कि वह अपना युद्ध विद्या बनायी भए हुए—जब तो नुज़दान के दाय पिछला व गाँठिसार मिलेंगा से व मिलेंगा यांत्र जापानी दृष्टि व अपल से जानें नहालाल भाव बह लें, इत्यो विश्वेता व गाँठिसार मिलेंगा यह योहे आवत्ति नहीं होगी।

अब ग्रेटा लैटेन्ट यों पूरा शापिकार है कि वह नीली आँखी ले राखना गे जापान दृष्टियाँ अग्रजेंगी ते जापने जाप दृष्टियाँ छोड़ी रखना जरूरी।

आँखी दृष्टियत में फूरे जाय होता है, आँखी न-दृष्टि ये नींव, दूरुदृष्टि, गुराँ व इमाल आदि नहीं है।

आँखी दृष्टियाँ विन्दी लिंग मार्ग जनपदीन मर्ग व शाहीर दृष्टियाँ एवं दृष्टि नहीं हैं।

आँखी दृष्टि आप हमारा लोगों, जापान-पिलारी के उत्तरांगहोड़ दोत व दृश्यम दो के उत्तरांग आता है जो नगर नींगन दोया के बह दिया है जिसकी यहाँ युधि वी बनाल किए ३०,००,०००— हमारा पूरा दैरेसर ली दू से निर्धारित है किसके उत्तरांग विन्दी गुरि चारी ॥२३३४ हैरेपर की गाँठियाँ कु ६,५७,८००— होती है जो कि विन्दी पूर्व से जान है, वही



नियन्त्रुत दिन्य गुरुवा पहले अंतर्लाल रेटम् मूल्य १,५६,०५०/-
की अमा फिरे जा रहे हैं।

नाटकी आदानी गुरुवा यांचे अंतर्लालपूर रोड से १ दिनो
मध्ये दर्शन देने वार दर्शक हैं।

**पिंडी अगुस्तिंति आमि न अनुसृतिं जन्मामि वग अहम्
नामि ॥**

यह कि श्री शमिकाहीत डॉ जाने यी तासा में अशिष्टाका
भूमि यग निगम भारत बाज़ का अविकार भाज खेता या ग्रेता
द्वारा अदिलजा घटने की होती। पिंडी या डक्कडी ओर से लेसी
अन्य लाभी की निकार गारा बनने का रुह न होता। पिंडी का
ठारी ओर से फर्दे ने अग्नि विद्युत में छक्का भूमि के अधिकार
व उत्तिकार दी राज्यांत्या बांदी धमाकेदामा पिंडी नायाजय
/अविकारी प्राप्तवत्प ने दम्भा नहीं बनवाया।

इह कि दूसरे प्रयोग ऐसे गवे राजी “पिंडी” एवं
“कला” भी, जब ताह मे प्रदेश के इतिहास न था, उनके निश्चिह्न
योग-विभाग न उत्तराधिकारीशासी नी लानीलित है।

पिंडी गुणतात्रा

१. रुप २२,४२,२३८/- (रुपया बड़ी लाल अद्यार्द्वा इतार
द्वे ही अस्तीति भाज) द्वादा गोड संख्या-४२२३८१७
दिनांक २३.०३.२०११) कंगाव नेत्रामाल देव इतार
हलसातारा, जल्द-के पिंडी ने श्रद्धा की वास्तु गाया।

१३१

प्राचीन वाक्य-विवरण-विकास

— अनुसृति

— १३ अप्रृष्ट वाक्य-विवरण

इस प्रयोग द्वारा लिखा गया अंक २२, २८, २३०— इमरा
वाईस लाल अल्हावी द्वारा दी सी डाक्टर चर्चा) मिलेता न
होता से बस्तु पर्याति लिखती प्राप्ति विभिन्ना लोकांनार करता है।

लिखना यह उत्ताप्त लिखेता ने आपनी द्वारी व उत्ताप्ती
से अप लाल ए सम्प्रवर्त विना किसी दबाव ने, लेता उपर्युक्ता के
द्वारा ने लिखा दिया जाता दाव रहे और वह जल्दी पर काम
आये।

अतः आज इन्ह लोगों ने इस विषय विलेन्द्र गर
अपने-आपनी इसाप्त लालके हाथे लिखाया मिला।

लिखा-०५.१२.२०११

लिखना

साक्षात्

१. वि. वि. लोकालय

लिखना वि. लोकालय

२. लोकालय लोकालय

लोकालय लोकालय

३. लोकालय लोकालय

लोकालय लोकालय

लिखना

लिखना

लिखना

प्रा. विलेन्द्र गरुड़ा

लिखना

लिखना

लालकला:

—

लालकला

लालकला लालकला

मसफियाकर्ता:

—

(लोकालय लोकालय)

लोकालय

लोकालय

Doc # 10000000000000000000000000000000

Ver. 1.00

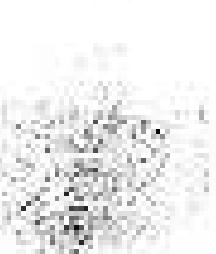
Rev. No. 1

ML - All C/P

00000000000000000000000000000000

00000000000000000000000000000000

00000000000000000000000000000000



ପିଲାଦିଲ

କଟାଇଥିଲା

ମହାରାଜା ଶ୍ରୀନାଥ ମହାରାଜ

ପାତାଳାମୁଖ

କଟାଇଥିଲା

19878 10/12/29 1 A

19878 1 10/12/29 10818

19878 27 1 26 10/12/29 10819

19878 27 10/12/29 1

19878 27 10/12/29 1



19878

10/12/29 (10818)

19878

10/12/29